वर्षः- 06
अंकः- 97
मुरादाबाद
(Monday)
27 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कारगिल विजय दिवसः सैनिकों का शौर्य हमेशा देश के गौरव का प्रतीक रहेगा, राष्ट्रपति-पीएम ने वीरों को किया याद

आज करगिल दिवस है, इस मौके पर पूरा देश वीर बलिदानियों के अप्रतिम शौर्य को नमन कर रहा है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तमाम केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उपमुख्यमंत्रियों ने भारतीय सेना के अमर वीरों को नमन करते हुए याद किया है।देश आज 26वां कारगिल विजय दिवस मना रहा है। यह दिन भारत के इतिहास में गौरव की किरण की तरह चमकता है। यह 1999 की उस शानदार विजय का प्रतीक है जब हमारे सैनिकों ने

बर्फ से ढकी चोटियों और दुश्मन की लगातार गोलाबारी का सामना करते हुए, बेजोड़ साहस और अटूट संकल्प के साथ कारगिल की चोटियों पर फिर से विजय हासिल की थी। 26 जुलाई को, लद्दाख की दुर्गम पहाड़ियों पर तिरंगा एक बार फिर शान से लहराया, जो बलिदान, वीरता और अटूट राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी वीरों को किया नमन- इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी वीरों को नमन किया। सोशल मीडिया एक्स पर राष्ट्रपति भवन की तरफ से किए गए पोस्ट में लिखा गया- कारगिल विजय दिवस पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर योद्धाओं को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनका अद्वितीय पराक्रम, अडिग संकल्प और अनन्य राष्ट्रभक्ति हमारी सेना की गौरवशाली परंपरा के अप्रतिम उदाहरण हैं। देश, सदैव उनका ऋणी रहेगा। हमारे उन पराक्रमी वीरों की शौर्यगाथा, आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा के पथ पर चलने के निरंतर प्रेरित करती रहेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, %कारगिल विजय दिवस पर, हमारा देश भारत की सुरक्षा के लिए बहादुर सैनिकों के असाधारण साहस और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करता है। बेहद मुश्किल हालात में भी उनका अदम्य साहस हमेशा राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बना रहेगा। उनकी अटूट देशभक्ति और कर्तव्य-निष्ठा पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी% रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, %कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी वीर सैनिकों को शत-शत नमन।

वर्ष 1999 में कारगिल की दुर्गम चोटियों पर असाधारण पराक्रम का परिचय देने वाले सभी वीर सैनिकों के प्रति देशवासी सदैव कृतज्ञ एवं ऋणी रहेंगे।

भारतीय सेना का अदम्य साहस, त्याग और अटूट संकल्प आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के लिए सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा देता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

विधानमंडल सत्र खत्म होते ही लौटे तेजस्वी यादव; तेज प्रताप यादव को लेकर किया बड़ा एलान

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के खत्म होने के दूसरे दिन, विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव विदेश से लौटकर पटना पहुंचे। कल गिरफ्तार तेज प्रताप यादव को लेकर उन्होंने बड़ा एलान भी कर दिया।बिहार विधान मंडल का सत्र खत्म होते ही विदेश दौरे से पटना लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन करने वाले छात्रों का वह धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को महागठबंधन समेत विपक्ष के सभी दलों का समर्थन मिला था। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि पूरे बिहार में हजारों छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज की गई, सैकड़ों छात्रों को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया और उन पर गलत धाराएं लगाई गईं। हमति बनी थी कि सभी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएंगे, लेकिन सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया। अगर ऐसा नहीं किया तो करेंगे आंदोलन- तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन के कई नेताओं और विधायकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने अपने बड़े भाई तेज प्रताप यादव की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भी गंभीर धाराओं में जेल भेजा गया, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 27 जुलाई तक छात्रों और अन्य गिरफ्तार लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस लेकर उन्हें रिहा नहीं किया गया

कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल नहीं, अब मंदिरों के सुंदरीकरण में खर्च हो रहा पैसा, CM योगी का विपक्ष पर हमला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मैनपुरी पहुंचे। उन्होंने जिले को 682 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देने के साथ जनसभा को भी संबोधित किया।प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मैनपुरी पहुंचे। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करने के साथ करीब 682 करोड़ की 111 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब मैनपुरी के नाम पर लोग घबरा जाते थे। मैनुपरी के नाम पर नौजवानों को होटल में कमरे नहीं मिलते थे। दूसरे शहरों में किराये के मकान देने में लोग परहेज करते थे। आज मैनपुरी का नौजवान, किसान, व्यापारी प्रदेश के बाहर देश के किसी कोने में जाता है तो वह परिचय देता है तो सामने वाले का चेहरा चमकता है। सामने वाला व्यक्ति सम्मान देने के लिए उत्साहित दिखाई देता है।सीएम ने कहा कि पहले नौजवान के लिए नौकरी निकलती थी, लेकिन वह नौजवान को नहीं मिलती थी। पहले चेहरा और पैसा देखा जाता था। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्ष में प्रदेश को बीमारू राज्य से उभारने में सफलता प्राप्त की है। यूपी में अब पैसे की कोई कमी नहीं है।सीएम ने कहा कि अब कोई कांवड़ यात्रा को रोक नहीं सकता। पहले समाजवादी पार्टी कहती थी कांवड़ यात्रा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने मंदिरों के

कांवड़ यात्रा की तैयारीः योगी सरकार चलाएगी अतिरिक्त बसें, निगरानी के लिए 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम

सुंदरीकरण की योजना शुरू की है। क्रबिस्तान की बाउंड्रीवॉल नहीं, अब मंदिरों के सुंदरीकरण में पैसा खर्च हो रहा है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा मैनपुरी और करहल की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसमें दक्षिणी बाईपास (169 करोड़ रुपये), अमृत 2.0 (127 करोड़), मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय (47 करोड़) और बालक छात्रावास, इंजीनियरिंग कॉलेज (12 करोड़) हैं। लोकार्पण की जाने वाली परियोजनाओं में ट्रांजिट हॉस्टल, पुलिस लाइन (15 करोड़) और अग्निशमन (9 करोड़) शामिल हैं। यूपी में श्रावण मास में सुरक्षित-सुगम कांवड़ यात्रा के लिए योगी सरकार ने तैयारियां कर ली हैं। कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था रहेगी।योगी सरकार ने आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांवड़ यात्रियों के लिए यूपीएसआरटीसी अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। साथ ही इस दौरान निगरानी के लिए 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम बसों के सुरक्षित संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय पर 24 घंटे संचालित होने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा शुरू होने से लेकर उसके समापन तक लगातार कार्य करेगा व सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा।हरिद्वार सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलेंगी परिवहन मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। बस स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं- निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पूछताछ कक्ष, ध्वनि प्रसारण प्रणाली और खान-पान के स्टॉल सुचारु रूप से संचालित रहें ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सड़क सुरक्षा पर रहेगा

छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया? राहुल गांधी ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी में उठाए बड़े सवाल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को दिल्ली में छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि छात्रों के खिलाफ पेलेट गन और बल प्रयोग की मंजूरी किसने दी। आखिर इस कार्रवाई का आदेश किसने दिया? क्या सरकार इन सवालों का जवाब देगी और जिम्मेदारी तय होगी?लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह पत्र साझा करते हुए लिखा कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर तरीके से बल प्रयोग किया गया और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। राहुल गांधी ने 25 जुलाई 2026 की तारीख वाले अपने पत्र में लिखा कि छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान घातक हथियारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। इससे सैकड़ों छात्र घायल हुए। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि महिला छात्रों के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की और उनके निजी अंगों को भी निशाना बनाया गया।राहुल गांधी ने अपने पत्र मे दूसरा

बड़

स्कल

उन लोगों को लेकर उठाया, जो कथित तौर पर सादे कपड़ों में छात्रों की पिटाई करते दिखाई दिए। उन्होंने पूछा कि क्या ये लोग पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि इन लोगों की तैनाती किसके आदेश पर की गई। राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली में तैनात सुरक्षा बल आखिरकार केंद्रीय गृह मंत्री के अधीन आते हैं, इसलिए इस कार्रवाई की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन किसी भी लोकतंत्र का अहम हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बातचीत के जरिए उनकी समस्याओं का समाधान निकालने की होती है। लेकिन जिस तरह की हिंसा हुई, उसने लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाया है और पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के युवा और छात्र, जो भारत का भविष्य हैं, जवाब और जवाबदेही मांग रहे हैं। उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता और उनकी बात सुनी जाएगी। राहुल गांधी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि छात्रों की मांग शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की थी। उनका कहना है कि इस मांग का जवाब संवाद से दिया जाना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय बल प्रयोग किया गया। उन्होंने इस पूरी घटना की जवाबदेही तय करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।यह पत्र राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित करते हुए लिखा और बाद में अपने एक्स पोस्ट के जरिए सार्वजनिक किया। पत्र में उन्होंने सरकार से छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई पर स्पष्ट जवाब देने और यह बताने की मांग की कि बल प्रयोग का फैसला किस स्तर पर लिया गया था।राहुल गांधी ने आगे पत्र में लिखा कि सबसे चौंकाने वाली बात पेलेट गन का इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई रिपोर्टों में कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात कही गई है, राहुल गांधी ने लिखा कि उन्होंने 19 वर्षीय छात्र साहिल लोछाब से मुलाकात की, जो पेलेट गन लगने के बाद गंभीर दर्द में है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने की आशंका है। उन्होंने गृह मंत्री से पूछा कि क्या छात्रों के खिलाफ पेलेट गन और अन्य घातक बल प्रयोग की मंजूरी उन्होंने दी थी। यदि नहीं, तो यह आदेश किसने दिया?

छात्रों की सफलता ने साबित किया, सरकार को चुनौती दे सकते हैं जेन-जी, विजय मार्च में बोले राज ठाकरे

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में आज छात्रों के समर्थन में शिवसेना यूबीटी और मनसे की तरफ से विजय मार्च निकाला। इस दौरान उन नीट परीक्षार्थियों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। वहीं इस मौके पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा।मुंबई में नीट परीक्षा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने विजय मार्च निकाला। इस रैली के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन की सफलता ने साबित कर दिया है कि %जेन-जी% सरकार को चुनौती दे सकती है; इस रैली में उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। मुंबई में उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज

ठाकरे की रैली में उन नीट परीक्षार्थियों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को नीट पेपर लीक को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलन की सराहना करते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों ने यह साबित कर दिया है कि %वोट चुराए जा सकते हैं, लेकिन लोगों को नहीं%। शिवाजी पार्क में आयोजित %तिरंगा रैली% को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि छात्रों ने एकजुट होकर लोकतंत्र के इतिहास में सुनहरा अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि यह किसी चुनाव की जीत नहीं, बल्कि %देशभक्तों की अंधभक्तों पर जीत% है और यह भाजपा के खिलाफ एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है। इस रैली में बड़ी संख्या में कॉलेज छात्र-छात्राएं तिरंगा लेकर पहुंचे। कई छात्र संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरों वाले पोस्टर लेकर भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि धर्मेंद्र प्रधान को पहले क्यों नहीं हटाया गया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनका दर्द किसी भी मंत्री को हटाने से बड़ा है और उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। उन्होंने युवाओं से आंदोलन की भावना को बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सत्ता के अहंकार को बर्दाश्त न करें और देश को कमजोर नहीं होने दें।

संपादकीय Editorial

Government Jobs

This time, the files were heavily contested. Six thousand job files and a multitude of vacancies across various departments. The number will only increase, as many positions remain vacant.

However, the Cabinet assured various regions of Himachal Pradesh that the government is capable of closely monitoring the excellence of its work. In this context, the plethora of jobs is being trumpeted. Looking at the allocation of jobs in rural and urban areas, we realize that the state resides in villages.

The appointment of 400 multi-task workers within the Gram Panchayats will remove many obstacles. Another area is crying out for help within the school district, where 3,950 watchmen and multi-task workers are being recruited simultaneously. However, the need for a large task force for the protection and maintenance of government buildings remains.

Surprisingly, grass grows in the walls of new buildings, while bushes grow in the courtyards instead of flowers. We have seen thorns growing in the District Magistrate's offices, yet complainants still consider this a guarantee of justice. To strengthen the school library movement, 200 library assistant positions will be created. Panchayats will receive 280 young people as technical job trainees, meaning they will have both recognition and work in the government job market.

There are several categories that will only be fulfilled in time. In this context, structural recruitment is also opening up in the police. The criteria for recruiting 800 police constables has been reopened, and this time, applicants will be granted a one-year age relaxation. Demands to expand the Police District Nurpur have led to the approval of 102 posts.

Selection of posts and job implementation are raising the bar for several institutions. The bequest being written to the State Sports Excellence Center in Nadaun is being expanded, with 48 posts being created simultaneously. Similarly, 15 posts are being created to complete the integrated aqua park.

Cabinet meetings are approving positions to meet the immediate needs of various medical colleges, sports institutions, and various departments. In this context, numerous vacancies are being reported in civil, regional, and zonal hospitals. A shortage of doctors and paramedical staff is being felt, although 800 assistant staff nurse positions are being created.

However, by opening the door to nearly 6,000 jobs simultaneously, the government has encouraged the selection process and infused hope into the veins of the youth. It is a different matter that the private sector is far ahead in terms of job security.

In Himachal, the largest employment opportunities are found in retail marketing, online commerce, and tourism. The private employment market also needs occasional government encouragement. Himachali youth seeking employment in BBN and other industrial centers need affordable hostels.

Similarly, employment guidance programs must be implemented in schools and colleges. Himachal needs colleges focused on rural, community, and professional subjects. It is surprising that the students of Takipur College do not need employment-oriented education, but science classes.

If only the residents there would demand classes in dairy or agriculture. Why not turn Nagrota Surian College into the College of Fisheries Studies, or make Nalagarh College a hub for industrial employment training and learning?

Iran Seeks Victory in Defeat: Trump Promised Liberation from Religious Dictatorship, Now Iranians Must Fight an Unfinished War

Iran, which harbors the illusion of victory even in defeat, poses a grave threat not only to world peace but also to its own future. Trump promised liberation from religious dictatorship, but circumstances are evolving such that Iranians will now have to fight Iran's unfinished war. This is exactly what we all thought. No one won this war. The image of both the US and Iran was damaged. For the US, the loss was symbolic, while Iran paid the price of the death of its Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei.

In the battle of narratives, there was only one winner: Iran. A strange combination of anti-American sentiment, anti-Semitism, and a civilizational misconception helped a brutal regime cultivate the image of a "weak, yet resilient force." There was no prominent religious leader to claim victory by relying on the old narrative of an ever-ongoing struggle against the US. Nevertheless, Iran did not refrain from using this narrative victory to mislead the public even after the ceasefire. Iran broke the agreement because it could.

From its perspective on the world after the unfinished war, Iran views the United States as a weak or declining power and its president as a big-talking fraud. Iran believes that even though it has suffered losses and is wounded, it can still challenge a superpower. Meanwhile, Trump has allowed himself to be taken for granted, and Iran has taken this cue from the world. Almost every world leader is mastering the art of playing on the American president's ego.

They are learning to understand Trump's sudden decisions and underestimate his wisdom.

Iran has dared to mock him. Trump's imperialism has been correctly understood. He heads an empire as big as his own ego. Iran's return as the sole custodian of the Strait of Hormuz is a direct attack on President Trump, who claims to have won the war. It was a challenge to the very president who promised to free this passage, a key part of his vision of an energy-rich future for America. Trump's vision, despite his own intentions, is aligned with the economic needs of the rest of the world. Iran feels that history is on its side, and so is the sentiment of a world fed up with Trump. It has nothing to lose, having already lost most of its leaders. What it retains is a military-Islamic structure, honed to extreme lethality and precision over more than four decades. This is the only strong system Iran possesses, and it is so deeply entrenched that no war can dismantle its expansion or dismantle its anonymous leadership structure. Iran's response, which disappointed the US, demonstrated how a war can be neutralized even without the guidance of a "revolutionary of God." It seemed as if some mysterious force from Persian folklore was controlling evil on a grand scale.

It remains the same now. Trump may claim that America doesn't need war to continue its offensive against an aggressive Iran, but he has no idea of ??the reality of the system he is trying to negotiate with. Iran has a government without a single supreme authority or voice. The credibility of all its spokespersons is merely a hologram. Iran has won the narrative battle, allowing it to transform martyrdom into national strength and rubble into a monument. This faceless government is free from human accountability; even its pretense of religious legitimacy is merely a revolutionary facade. This dangerous independence not only confronts American power but also undermines it. But its victims aren't just the United States or the sailors risking their lives in the Strait of Hormuz. They, too, pay the price, as does the entire Middle East. Iran, seeking an easy target to avenge the US attack, has already created an atmosphere of unease in the Gulf region. Iran has always displayed its spiritual and military power with the self-assurance of an imperialist nation. In reality, and in its attitude, it was. It supplied weapons and Islamic ideology to terrorist organizations in its neighborhood, harboring intense hatred and a desire to destroy those it deemed unfriendly. Yet, Iran, seeking victory in defeat, poses not only a threat to world peace but also a grave danger to its own country. Trump launched the war by promising to liberate Iranians from religious dictatorship. This kind of moral idealism was, in fact, an old American idealism that combined self-interest with international morality. And this is precisely what those Iranians who challenged the regime wanted, ultimately ending up in prison or the graveyard. A faltering revolution's hunger is insatiable, and like all revolutions in the past, it required the blood of the rebels to sustain it. Trump was a man of hope, but few expected such a thing from him. Iran's unfinished battle must now be completed by Iranians themselves. Trump also failed to live up to his word. He denied Iranians the opportunity to launch their own revolution. A decade after the original Iranian Revolution, in 1989, a wave of change swept across Eastern Europe with the slogan "We the People." At that time, influential figures like Reagan, Thatcher, and the Pope openly advocated for freedom.

However, when Iranians felt the time had come for change, they lacked strong international support in the face of war. Only Trump appeared, who soon abandoned his promise. As a result, the Iranian regime suppressed dissent from within.

Secrets of a 5,000-year-old civilization lie in a Haryana village... A mound in Tigrana is fading away.

The mound in Tigrana, a village in Haryana that held the secrets of the 5,000-year-old Indus Valley and Harappan civilizations, is fading away. Excavations were conducted here in May 2016, revealing glass bangles, white beads, and a pottery kiln. The mound in Tigrana, once believed to hold the secrets of the 5,000-year-old Indus Valley and Harappan civilizations, is fading away.

Spread across approximately 25 acres, the mound is now becoming a pile of soil due to administrative neglect and the Archaeological Department's indifference. Surrounding farmers have leveled it and cultivated crops. As a result, historical evidence and signs of archaeological significance have been erased. The mound, which was supposed to preserve and connect generations to history, lies abandoned.

Tigrana village is located approximately 10 kilometers from Bhiwani towards Jind. A historic mound is located eight kilometers away. In May 2016, under the leadership of Dr. Narendra Parmar, then Director of the Department of Archaeology at the Central University of Haryana (Pali), an excavation was conducted at the historic mound, spread over an area of ? ?approximately 25 acres near Tigrana. The team discovered glass bangles and a pottery kiln. Pottery, copper objects, faience (green bangles made of paste material), and white beads, which were used as jewelry, were also found. Semi-precious stones were also discovered. According to historians, the people of the Indus Valley Civilization used these in their daily lives. They believe that Tigrana may have been an industrial center during that period. The remains found here are preserved in the museum of the Department of Archaeology at the Central University of Pali, Mahendragarh. However, now a large portion of this historic mound has been leveled for farming, destroying the thousands of years old relics buried in the soil. The Archaeological Department was supposed to preserve it and build a boundary wall around it, but that failed.

As a result, the mound is slowly on the verge of disappearing. A large portion of this historic mound's land has been leveled by people for farming, destroying thousands of years of remains buried in the soil. The mound is on the verge of disappearing. There are five historical sites in Bhiwani district where remains related to the Harappan civilization have been found. A joint study by Delhi University and Maharishi Dayanand University was conducted in village Manheru in 2009. An archaeological team from Banaras University discovered the Harappan civilization in Khanak, Tosham, in 2016. Remains of the Yaudheya (Kushan) civilization were found in 2001 in the fields of village Naurangabad. In village Mitathal, Harappan remains were discovered by Professor Suraj Bhan of Kurukshetra University in 1968.

खुले ट्रांसफार्मर से टकराया ई-रिक्शा, चालक समेत दो लोगों की करंट लगने से मौत

मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर में बारिश के दौरान हुआ हादसा। ई-रिक्शा ट्रांसफार्मर से टकराने पर उसमें करंट दौड़ गया। चालक को बचाने पहुंचे गैरेज कर्मी की भी जान चली गई। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही का आरोप लगाया। थाना मझोला क्षेत्र के जयंतीपुर इलाके में बर्फखाने के पास शिवनगर में शनिवार शाम हुई घटना में ई-रिक्शा चालक समेत दो लोगों की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बिजली विभाग की लापरवाही से दो लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। स्थानीय लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश रहा। बिजली विभाग के संबंधित एसडीओ, अधिशासी अभियंता ने इस पर चुप्पी साधे रखी।जानकारी के अनुसार नेता कालोनी निवासी ओमप्रकाश पुत्र बाबूराम ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार शाम करीब 4-30 बजे बारिश के दौरान वह अपना ई-रिक्शा गैरेज में खड़ा करने जा रहा था। इसी दौरान सड़क पर पानी भरे एक गड्ढे में ई-रिक्शा का संतुलन बिगड़ गया और वाहन अनियंत्रित होकर पास में लगे ट्रांसफार्मर से जा टकराया। ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से ई-रिक्शा में करंट दौड़ गया और चालक ओमप्रकाश उसकी चपेट में आ गया।ओमप्रकाश को करंट से तड़पता देख गैरेज में काम कर रहे राममोहन ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन हाईटेंशन करंट उसे भी लग गया। जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी हालत बिगड़ गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले दोनों अचेत होकर गिर पड़े।घटना की सूचना मिलते ही जयंतीपुर चौकी प्रभारी नितेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद ओमप्रकाश और राममोहन को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि राम मोहन मूल रूप से बदायूं जनपद का रहने वाला था और वह जयंतीपुर में गैरेज में काम करता था। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम छा गया।वहीं हादसे के बाद बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने सीपीआर देकर दोनों लोगों की जान बचाने का काफी प्रयास भी किया मगर वह उनकी जान नहीं बचा पाए। बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई थी, वहीं बिजली विभाग की लापरवाही के चलते खुले रखे ट्रांसफार्मर के कारण हुए हादसे में दो लोगों अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। लोगों का कहना कि यदि ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग हो गई होती तो करंट नहीं लगता और दो लोग मरने बच सकते थे।

20 से लेकर 25 हजार तक... जब सरकारी तंत्र हारा तो ग्रामीणों की कारसेवा ने बहल्ला नदी पर खड़ा किया पुल

सरकारी तंत्र की विफलता के बाद ग्रामीणों ने बहल्ला नदी पर चंदे से पुल का निर्माण किया। यह पुल 20 से लेकर 25 हजार तक के योगदान से कारसेवा के तहत खड़ा कयिा गया है।विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच चंदा इकट्ठा करके कारसेवा से बहल्ला नदी पर बन रहा अधूरा पड़ा पुल सरकारी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। मुरादाबाद और रामपुर जिले की सीमा पर अफजलपुर भायपुर और बैजनी गांव के बीच बह रही

इस नदी पर पिछले 30 वर्षों से पुल की मांग होती रही, लेकिन कई सरकारों और जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की। आखिरकार ग्रामीणों ने हार मानने के बजाए खुद चंदा जुटाकर पुल बनाना शुरू कर दिया। अब धनराशि खत्म होने के कारण निर्माण कार्य एक जून 2026 से बंद पड़ा है। इस पुल के बनने से मुरादाबाद और रामपुर के करीब 40 से अधिक गांवों की तस्वीर बदल सकती है। अफजलपुर भायपुर से रामपुर के तोपखाना तक की दूरी महज छह किलोमीटर रह जाएगी, जबकि फिलहाल मूंढापांडे होकर करीब 20 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी और दो जिलों के बीच आवागमन का नया मार्ग भी मिलेगा। 17 जनवरी 2024 को ग्रामीणों की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब नेताओं और सरकारी फाइलों का इंतजार नहीं किया जाएगा।

समाजसेवी राशिद अली की अगुवाई में ग्रामीणों ने चंदा अभियान शुरू किया।डेरा कार सेवा ट्रस्ट का गठन कर बैंक खाता खोला गया। गांव-गांव जाकर लोगों ने अपनी हैसियत के अनुसार सहयोग दिया। 1678 लोगों ने करीब 12.25 लाख रुपये का योगदान दिया, जिसके बाद दो जून 2024 से पुल निर्माण शुरू हुआ। नहर विभाग के एक इंजीनियर की मदद से डिजाइन तैयार कराया गया।ग्रामीणों की मेहनत से पुल के नौ पिलर तैयार हो गए, लेकिन अब धन खत्म हो चुका है। करीब साढ़े पांच मीटर चौड़े इस पुल का निर्माण पिछले लगभग दो महीने से ठप पड़ा है। अधूरे पिलर आज भी नदी के बीच खड़े होकर सरकारी उदासीनता की गवाही दे रहे हैं। बरसात के दिनों में बहल्ला नदी उफान पर होती है तो दोनों जिलों के गांवों का संपर्क लगभग टूट जाता है।स्कूली बच्चों को लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जबकि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में घंटों लग जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व सांसद स्वर्गीय डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क, पूर्व विधायक स्वर्गीय रिजवानुल हक सहित कई जनप्रतिनिधियों से वर्षों तक पुल की मांग की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला।अब सवाल यह है कि जब सीमित संसाधनों वाले ग्रामीण 12 लाख रुपये जुटाकर नौ पिलर खड़े कर सकते हैं, तो करोड़ों रुपये के विकास बजट वाली सरकारी व्यवस्था आखिर एक पुल क्यों नहीं बना सकी? बहल्ला नदी पर अधूरा पुल केवल ईंट, सीमेंट और सरियों का ढांचा नहीं, बल्कि उन विकास दावों का आईना है जो जमीनी हकीकत से आज भी काफी दूर दिखाई देते हैं।

20 रुपये से लेकर 25 हजार तक... हर हाथ ने जोड़ी पुल की ईंट- बहल्ला नदी पर पुल बनाने के लिए जुटाया गया चंदा ग्रामीण एकजुटता की मिसाल बन गया। ट्रस्ट को सबसे बड़ा सहयोग नया गांव के हाजी सिब्ते ने 25 हजार रुपये देकर किया, जबकि अफजलपुर भायपुर के डॉ. नबी अहमद ने अपने परिवार की ओर से 10-10 हजार रुपये की तीन रसीदें कटवाईं। मूंढापांडे के ब्लॉक प्रमुख डॉ. नवदीप यादव और रामपुर के जिला पंचायत सदस्य मुस्तुफा हुसैन ने भी पुल में सहयोग किया। ट्रस्ट अध्यक्ष के अनुसार, कई ग्रामीण ऐसे भी रहे जिन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति के बावजूद सिर्फ 20 रुपये का योगदान दिया। हर दानदाता को रसीद जारी की गई। पुल का अनुमानित बजट 25 लाख रुपये रखा है, जिसमें से अब तक 12,13,313 रुपये नौ पिलरों के निर्माण पर खर्च हो चुके हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष राशिद हुसैन, सचिव मोहम्मद हनीफ और कोषाध्यक्ष जाहिद हुसैन हैं।बहल्ला नदी पर कारसेवा से बन रहे पुल का शनिवार को निरीक्षण किया है। गांव के लोगों से भी बात हुई है। जानकारी यह मिली है कि लोगों ने आपसी सहयोग से पुल के पिलर बनाए हैं। पूरे मामले से आला अधिकारियों को अवगत करा दिया जाएगा।- अभय सिंह, एसडीएम सदर, मुरादाबाद

आप कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर किया खुशी का इजहार

रामपुर। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने पर छात्रों के साथ मिठाइयां बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया।बरेली गेट स्थित कार्यालय पर प्रदेश प्रवक्ता फैसल खान लाला ने कहा कि यह किसी व्यक्ति की हार का जश्न नहीं, बल्कि देश के लाखों छात्रों के संघर्ष, सब्र और आवाज की जीत का पल है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है

कि नौजवानों की आवाज को हमेशा दबाया नहीं जा सकता। कहा कि आम आदमी पार्टी शुरू से ही छात्रों के साथ खड़ी रही है और आगे भी हर उस लड़ाई में उनके साथ रहेगी, जहां शिक्षा, इंसाफ और जवाबदेही का सवाल होगा। कहा कि उम्मीद करते हैं कि अब नई व्यवस्था में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इस मौके पर सभासद यासीन उर्फ गुड्डू, मकसूद खां, माजिद खां, इब्ने अली, शहाबुद्दीन, नजम खां, तालिब खां, अलमास यासीन, मोहम्मद सलीम, शैजी खां, अलीजा खान, अलीना बी, फिजा बी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी के समर्थन में उतरे सभासद, छात्रों का बढ़ाया हौसला

रामपुर। मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त किए जाने के आदेश के विरोध में छात्रों का धरना लगातार जारी है। शनिवार को नगर पालिका के कई सभासद विश्वविद्यालय पहुंचे और धरनारत छात्रों से मुलाकात कर उनका समर्थन किया। सभासदों ने कहा कि विश्वविद्यालय से छात्रों का भविष्य जुड़ा है, इसलिए सरकार को ऐसा समाधान निकालना चाहिए जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उनके साथ खड़े रहने का भरोसा भी दिया। इससे पहले भी विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने विश्वविद्यालय पहुंचकर समर्थन जताया है। धरना स्थल पर पहुंचे सभासदों में जियाउर रहमान बाबू, मुराद कलीम खां महफूज खां गुड्डू, अफ्फान खां,शाहवेज अंसारी, शादाब अली, खलील मंसूरी, हबीब खां, मोहम्मद आरिफ, वसीम अब्बासी, शाहबेज भूरा आदि सभासद मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: डिवाइडर से टकराई डबल डेकर बस, 2 यात्रियों की मौत, दो दर्जन घायल

बहराइच से जालंधर जा रही बस संभल के लहरावन इंटरचेंज के पास हादसे का शिकार हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने चालक के रॉन्ग साइड में बस चलाने और नींद आने की आशंका जताई। कई घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।उत्तर प्रदेश के संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बहराइच से जालंधर जा रही एक डबल डेकर बस अचानक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कई गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।यह दुर्घटना संभल जिले में लहरावन इंटरचेंज से बदायूं की ओर लगभग दो किलोमीटर आगे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चालक वाहन को रॉन्ग साइड पर चला रहा था। वहीं, कुछ लोगों ने आशंका जताई कि चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य पूरा कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर भाकियू टिकैत ने जताई चिंता

स्वार। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक बैठक में विभिन्न किसान समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने शासन-प्रशासन से मांग की कि यूनिवर्सिटी को किसी भी प्रकार से बर्बाद न किया जाए और उसके भविष्य को सुरक्षित रखा जाए। गूलड़ पीपलसाना स्थित कार्यालय पर शनिवार को हुई पंचायत में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सलाहकार सलामत जान ने कहा कि यदि यूनिवर्सिटी के खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई की गई तो किसान यूनियन भी आंदोलन के लिए मैदान में उतरने को मजबूर होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व में गांव-गांव से तहसील तक पैदल यात्रा निकालकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार के माध्यम से सौंपा जा चुका है।पंचायत में किसानों की अन्य समस्याओं पर भी चर्चा करते हुए उनके समाधान की मांग उठाई गई। इस दौरान मुनव्वर अली, अमीर अहमद, अफसर अली, जसवीर सिंह और सरताज अली सहित अन्य पदाधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आधुनिक तकनीक से साइबर अपराधियों पर शिकंजा, साइबर थाना बरेली की ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। डिजिटल युग में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बरेली साइबर थाना पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। महज दो माह पूर्व साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक का कार्यभार संभालने वाले धनंजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में साइबर पुलिस ने कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। आधुनिक तकनीक, डिजिटल जांच और त्वरित कार्रवाई के दम पर साइबर ठगों एवं आर्थिक अपराधियों के खिलाफ लगातार शिकंजा कसा जा रहा है, जिससे अपराधियों में हड़कंप की स्थिति है।

साइबर थाना पुलिस ने अपने अभियान के दौरान 150 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी का खुलासा कर आर्थिक अपराध के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। इसके अलावा विभिन्न राज्यों से संचालित साइबर ठगी गिरोहों के कई सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रभावी विधिक कार्रवाई की गई। साइबर अपराधों की विवेचना में डिजिटल फॉरेंसिक, मोबाइल ट्रैकिंग, बैंकिंग इंटेलिजेंस, आईपी एड्रेस विश्लेषण और ऑनलाइन मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

साइबर ठगी के शिकार लोगों को राहत दिलाने में भी थाना लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडेय के कार्यकाल में पांच पीड़ितों के 50 लाख रुपये से अधिक की धनराशि वापस दिलाने और समय रहते रकम सीज कराने में सफलता मिली है। इससे पीड़ितों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ साइबर पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है। साइबर थाना बरेली में वर्तमान में 16 सदस्यीय टीम तैनात है। टीम में प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडेय के साथ निरीक्षक मनोज सिंह एवं सिद्धार्थ तोमर, उपनिरीक्षक कपिल राघव, सौरभ तोमर और गुरमीत, महिला मुख्य आरक्षी अनू एवं पिंकी चौधरी, महिला आरक्षी हरजीत कौर, मुख्य आरक्षी धीरज कुमार, विलिस और हरेंद्र कुमार, तथा आरक्षी विवेक, विजय, अंकुर और प्रवीण शामिल हैं। यह टीम दिन-रात साइबर अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए त्वरित कार्रवाई कर रही है।

साइबर थाने के नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक अपराध (एसपी क्राइम) मनीष सोनकर के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के नेतृत्व में साइबर थाना लगातार साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी अभियान चला रहा है। साथ ही आमजन को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, निवेश धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी और बैंकिंग फ्रॉड जैसी घटनाओं से बचने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित टीम, त्वरित जांच और समन्वित कार्रवाई के बल पर बरेली साइबर थाना साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। साइबर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने की दिशा में थाना प्रदेश के अग्रणी साइबर थानों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सुरों की सरिता में बहा बरेली, मुकेश के गीतों ने बांधा समां, संगीत तनाव दूरकर मस्तिष्क को देता है नई ऊर्जा – उमेश गौतम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। महान पार्श्व गायक मुकेश की जयंती के अवसर पर रविवार को रॉयल पटियाला में गीतों की एक शाम मुकेश के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हमारा सुर संसार के तत्वावधान में किया गया। संगीत और सुरों से सजी इस संगीतमय संध्या में मुकेश के अमर गीतों की प्रस्तुति ने उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में शहर के अनेक संगीत प्रेमियों, कलाकारों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। देर शाम तक चली इस महफिल में हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बरेली के महापौर डॉ. उमेश गौतम एवं विशिष्ट अतिथि विशाल मल्होत्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत संस्था के संस्थापक राज चावला, संचालक अजय अरोड़ा, संरक्षक मनोज उपाध्याय, मीडिया प्रभारी विजय शर्मा तथा कोषाध्यक्ष हरीश गिरी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. उमेश गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मस्तिष्क को प्रतिदिन सकारात्मक ऊर्जा और नई प्रेरणा देने वाली एक प्रभावशाली चिकित्सा भी है। संगीत तनाव को कम करता है, मानसिक संतुलन बनाए रखता है और व्यक्ति के जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है। मुकेश जैसे महान गायक की आवाज़ आज भी लोगों के दिलों में जीवित है और उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उद्देश्य संगीत प्रेमियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहां हर आयु वर्ग का कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके। उन्होंने कहा कि मुकेश भारतीय फिल्म संगीत के ऐसे सितारे हैं जिनकी आवाज़ सदैव अमर रहेगी। संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

कार्यक्रम का कुशल संचालन अजय अरोड़ा ने किया। उन्होंने प्रत्येक प्रस्तुति से पहले गीत और उससे जुड़े कलाकार का संक्षिप्त परिचय देकर कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाया। पूरे आयोजन के दौरान श्रोताओं ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और कई गीतों पर उनके साथ गुनगुनाते भी नजर आए। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रोताओं ने मुकेश के अमर गीतों का आनंद लिया और कलाकारों का लगातार तालियों से उत्साहवर्धन किया। संगीत प्रेमियों ने इसे यादगार संध्या बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के संगीतमय आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य, संगीत प्रेमी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने पूर्व चेयरमैन नसीम अहमद को किया नजरबंद, जौहर विश्वविद्यालय जाने का था कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। बहेड़ी में पुलिस ने नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन नसीम अहमद को उनके आवास में नजरबंद रखा। नसीम अहमद रविवार को रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी जाने वाले थे। इससे पहले ही पुलिस ने उनको आवास पर ही रोक दिया। देर रात से ही उनके घर के बाहर पुलिस बल तैनात रहा और आने-जाने वालों पर भी निगरानी रखी गई। सूत्रों के अनुसार, नसीम अहमद जौहर यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। पुलिस ने एहतियाती कार्रवाई करते हुए उन्हें घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। पूरे दिन उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सियासी चर्चाएं तेज हो गईं। नसीम अहमद ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्पष्ट वजह के उन्हें घर में रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। नसीम अहमद ने इसे अपने अधिकारों का हनन बताया।

सरस्वती विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया संस्थापक दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। एमएमआर्य विद्या सभा द्वारा संचालित सरस्वती विद्यालय इण्टर कॉलेज के प्रांगण में रविवार को संस्थापक दिवस समारोह अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-पूजन के साथ हुआ, जिसके उपरांत विद्यालय परिवार एवं अतिथियों ने संस्थापक डॉ. श्यामस्वरूप सत्यव्रत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। ?समारोह को संबोधित करते हुए आर्य विद्या सभा के अध्यक्ष कर्नल अभय स्वरूप ने कहा कि डॉ. सत्यव्रत केवल एक चिकित्सक ही नहीं थे, बल्कि वे समाज सुधारक, प्रख्यात शिक्षाविद और असहायों व वंचितों के मसीहा थे। विद्यालय की प्रबंधक मधुलिका स्वरूप ने छात्र-छात्राओं को संस्थापक के आदर्शों, मूल्यों और कर्तव्यों का अनुसरण करते हुए अपने जीवन व भविष्य को उज्ज्वल बनाने का संदेश दिया। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डॉ. अनुराग भटनागर ने डॉ. सत्यव्रत के योगदान को याद करते हुए बताया कि ब्रिटिश शासन काल के कठिन दौर में उन्होंने स्त्री शिक्षा और वंचित वर्गों के लिए स्कूल स्थापित कर शिक्षा की अलख जगाई। मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षा ही वह सशक्त अस्त्र है जिससे समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव को समाप्त कर एक उन्नत व सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। वहीं कर्नल पुरुषोत्तम ने कारगिल विजय दिवस का उल्लेख करते हुए देश के अमर शहीदों को नमन किया और डॉ. सत्यव्रत के बताए मार्ग पर चलने को ही सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

युवती की मौत के बाद से फरार झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार, बिना लाइसेंस चला रहा था क्लीनिक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने 17 वर्षीय युवती की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस के आयुर्वेदिक क्लीनिक संचालित कर मरीजों का इलाज कर रहा था। पुलिस के अनुसार, 4 सितंबर 2025 को फतेहगंज पश्चिमी निवासी दिनेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी 17 वर्षीय बहन विनिता को बुखार और पेट दर्द होने पर आरोपी तसलीम ने दवा दी थी। दवा खाने के बाद युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस मामले में थाना फतेहगंज पश्चिमी में धारा 105 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार को भिटौरा फाटक के पास से आरोपी मोहम्मद तसलीम निवासी ग्राम आसपुर खेड़ा, थाना देवरनियां को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बिना लाइसेंस आयुर्वेदिक क्लीनिक चला रहा था और उसने युवती का प्राथमिक उपचार किया था। बाद में उसे युवती की मौत और अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिली। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार, उपनिरीक्षक आदेश कुमार, हेड कांस्टेबल विक्की सिंह तथा कांस्टेबल शिवा पुंडीर शामिल रहे।

लड़की ने हनी ट्रैप का जाल बिछाकर किया ब्लैकमेल

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । हनीट्रैप में फंसाकर महिला ने एक व्यक्ति को ब्लैकमेल करके दो लाख रुपये की रकम वसूली । पीड़ित ने थाना प्रेमनगर में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इज्जतनगर में सैनिक कॉलोनी निवासी अभिषेक ने पुलिस को बताया कि गांधीपुरम में रामलीला ग्राउंड के पास रहने वाली अमृत कौर ने 28 अप्रैल को उनके खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाकर थाना बारादरी में झूठी शिकायत की।हनीट्रैप में फंसाकर नकद व ऑनलाइन माध्यम से दो लाख रुपये पहले ही वसूल चुकी है। रुपये देने से इनकार किया तो यौन शोषण के झूठे मुकदमे में फंसाने, जेल भिजवाने और परिवार को बर्बाद करने की धमकी देना शुरू कर दिया। थाना प्रेमनगर गए तो अमृत कौर और साथियों ने रुपये न देने पर जेल जाने के लिए तैयार रहने के लिए धमकाया। अभिषेक का कहना है कि युवती के खिलाफ थाना प्रेमनगर में पहले से भी रंगदारी का एक मुकदमा दर्ज है। इस पर उन्होंने सीओ सिटी से शिकायत कर थाना प्रेमनगर में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / समोदिया, रामपुर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामपुर में रविवार, 26 जुलाई 2026 को कारगिल विजय दिवस बड़े श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वंदे मातरम अवकाश के दौरान प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध के इतिहास और वीर सैनिकों के अदम्य साहस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्ष 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के कुशल नेतृत्व में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों ने 12,000 से 18,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुर्गम कारगिल घाटी में दुश्मनों को परास्त कर तिरंगा फहराया था। उन्होंने कहा कि यह दिन देश के वीर सपूतों की शौर्यगाथा का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान सभी आचार्यों, दीदी-भैया एवं छात्र-छात्राओं ने वीरगति प्राप्त सैनिकों को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बृज किशोर मोर, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, प्रेमपाल, गौरव सिंह, संजय कुमार, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, प्रकाश बाबू, अनिल कुमार, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, पूजा टैगोर, डॉ. दीपचंद, सरस्वती शिशु मंदिर रुस्तमनगर के प्रधानाचार्य लक्ष्मण प्रसाद, श्रीमती नीलम कुमारी, आकृति कुमारी, हिमांशी कुमारी, मनु, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड शारीरिक शिक्षण प्रमुख राजीव कुमार सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विद्यालय के चौकीदार हरि सिंह दिवाकर, श्याम लाल मोरी, भागवत तथा राजमिस्त्री जयदेव मौर्य एवं लालमणि ने भी सहभागिता कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

31 जुलाई से 24 अगस्त तक बदलेगा ट्रैफिक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /बरेली। यदि आप 31 जुलाई से अगस्त के अंत तक बरेली शहर या आसपास के क्षेत्रों में यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो पहले ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी जरूर ले लें। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के मद्देनज़र बरेली पुलिस ने विशेष ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है, जो 31 जुलाई की रात से 24 अगस्त तक अलग-अलग चरणों में प्रभावी रहेगा।

एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान के अनुसार, श्रावण के पहले सोमवार (3 अगस्त), दूसरे सोमवार (10 अगस्त), महाशिवरात्रि (11 अगस्त), तीसरे सोमवार (17 अगस्त) और चौथे सोमवार (24 अगस्त) को विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। यदि कांवड़ियों की संख्या बढ़ती है तो मौके की स्थिति के अनुसार अतिरिक्त डायवर्जन भी लागू किया जा सकता है।

तीन राज्यों से बरेली पहुंचेंगे हजारों कांवड़िये- यातायात पुलिस के मुताबिक, अधिकांश कांवड़िये कछला घाट से गंगाजल लेकर बदायूं, भमोरा, देवचरा, रामगंगा, करगैना, चौपुला पुल, लाल फाटक, कैंट और बुखारा मोड़ होते हुए शहर के प्रमुख शिव मंदिरों तक पहुंचेंगे। इसके अलावा कुछ श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार-बहेड़ी मार्ग से भी बरेली आएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे रूट पर विशेष सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था बनाई गई है।

इन मार्गों पर भारी वाहनों की नो-एंट्री- हर शुक्रवार रात 12 बजे से सोमवार रात 12 बजे तक झुमका तिराहा, परसाखेड़ा रोड नंबर-1, बिलवा अंडरपास, विलयधाम अंडरपास, लालपुर गांव कट, नवदियाझादा, ट्रांसपोर्ट नगर, बुखारा मोड़, रामगंगा तिराहा से शहर की ओर तथा देवचरा, रम्पुरा मोड़ और अखा मोड़ से बदायूं रोड तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

तीन राज्यों से बरेली पहुंचेंगे हजारों कांवड़िये- यातायात पुलिस के मुताबिक, अधिकांश कांवड़िये कछला घाट से गंगाजल लेकर बदायूं, भमोरा, देवचरा, रामगंगा, करगैना, चौपुला पुल, लाल फाटक, कैंट और बुखारा मोड़ होते हुए शहर के प्रमुख शिव मंदिरों तक पहुंचेंगे। इसके अलावा कुछ श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार-बहेड़ी मार्ग से भी बरेली आएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे रूट पर विशेष सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था बनाई गई है।

इन मार्गों पर भारी वाहनों की नो-एंट्री-हर शुक्रवार रात 12 बजे से सोमवार रात 12 बजे तक झुमका तिराहा, परसाखेड़ा रोड नंबर-1, बिलवा अंडरपास, विलयधाम अंडरपास, लालपुर गांव कट, नवदियाझादा, ट्रांसपोर्ट नगर, बुखारा मोड़, रामगंगा तिराहा से शहर की ओर तथा देवचरा, रम्पुरा मोड़ और अखा मोड़ से बदायूं रोड तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

दिल्ली, लखनऊ, आगरा और बदायूं के लिए बदले गए रूट- लखनऊ से दिल्ली जाने वाले ट्रकों को शाहजहांपुर के जलालाबाद से गंगा एक्सप्रेस-वे की ओर भेजा जाएगा। बदायूं जाने वाले भारी वाहन कटरा-नवादा-दातागंज मार्ग से गुजरेंगे। वहीं रामपुर, मुरादाबाद, दिल्ली, आगरा और नैनीताल की दिशा में जाने वाले भारी वाहनों को बड़ा बाईपास और अन्य वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा।

फतेहगंज पूर्वी रेलवे ब्रिज पर निर्माण कार्य के चलते वहां से किसी भी व्यावसायिक वाहन को गुजरने की अनुमति नहीं होगी।

रोडवेज बसों और छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था- 31 जुलाई से 3 अगस्त, 7 से 11 अगस्त, 14 से 17 अगस्त और 21 से 24 अगस्त के बीच पुराना बस अड्डा, चौपुला और शहर के कई हिस्सों से गुजरने वाली रोडवेज बसों को अय्यूब खां चौराहा, चौकी चौराहा, बियावान कोठी, मालियों की पुलिया, सैटेलाइट और बड़ा बाईपास के रास्ते संचालित किया जाएगा। हल्के वाहनों के लिए भी अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

इन चौराहों पर रहेगी अतिरिक्त पुलिस तैनाती-सैटेलाइट, बीसलपुर चौराहा, चौकी चौराहा, चौपुला ओवरब्रिज, मिनी बाईपास, झुमका तिराहा, बिलवा पुल, विलयधाम, नवदियाझादा, लालपुर गांव कट, इन्वर्टीज तिराहा, इज्जतनगर स्टेशन, मंडी समिति, रामगंगा तिराहा, बुखारा मोड़, रम्पुरा मोड़, देवचरा, आंवला, फरीदपुर और फतेहगंज पूर्वी सहित दो दर्जन से अधिक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर मौके पर ही ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा।

सरकार ने दी बदायूं से लखनऊ सीधी ट्रेन की सौगात
केन्द्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के उझानी रेलवे स्टेशन पर रविवार को आयोजित समारोह में मा0 उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री भारत सरकार बी0एल0 वर्मा ने कासगंज-ऐशबाग-कासगंज दैनिक एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15312/15311 के उद्घाटन के अवसर पर उद्घाटन विशेष गाड़ी संख्या 05018 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत व नीतियां जनकल्याणकारी हैं। पूर्व में दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन और अब लखनऊ के लिए सीधी ट्रेन होने से आमजन को सुविधा होगी। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि भारत एक दिन विश्व गुरू बनेगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी व योगी जी जन कल्याणकारी कार्य कर आमजन के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य सफलता पूर्वक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो हम कहते हैं वह ब्राहमांण्ड में गूंजता है। उन्होंने कहा कि अच्छा सोंचों अच्छा होगा आज नही तो कल होगा। ज्ञात हो कि 27 जुलाई 2026 से नियमित गाड़ी संख्या 15312/15311 कासगंज-ऐशबाग-कासगंज दैनिक एक्सप्रेस का संचालन प्रारंभ जायेगा। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में एलएचबी रेक के साथ संचालित होगी, जिसमें 01 पावर कार, 01 एसएलआर, 04 अनारक्षित द्वितीय श्रेणी, 09 नॉन एसी चेयर कार तथा 01 वातानुकूलित चेयर कार सहित कुल 16 कोच लगाए गए हैं।

गाड़ी संख्या 15312 कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस कासगंज से प्रात: 04:20 प्रस्थान कर, उझानी से 05:02 छूटकर, बदायूं 05:25, बरेली जं. 06:15, इज्जतनगर 06:37, पीलीभीत 07:40, पूरनपुर 08:40, मैलानी 09:30, गोला गोकरननाथ 09:50, लखीमपुर 10:26, सीतापुर जं. 10:52, सिधौली 11:46, मोहिबुल्लापुर से 12:23 बजे छूटकर ऐशबाग जं0 13:00 बजे पहुँचेगी तथा वापसी में गाड़ी संख्या 15311 ऐशबाग-कासगंज एक्सप्रेस ऐशबाग जं0 से 14:00 बजे प्रस्थान कर, मोहिबुल्लापुर 14:20 बजे छूटकर, सिधौली 14:58, सीतापुर जं. 15:20, लखीमपुर 16:10, गोला गोकरननाथ 16:40, मैलानी 17:25, पूरनपुर 17:52, पीलीभीत 18:45, इज्जतनगर 19:35, बरेली जं. 20:10, बदायूं 21:10, उझानी से 21:25 बजे छूटकर कासगंज जं0 रात्रि 22:40 बजे पहुँचेगी। कार्यक्रम में शेखूपुर विधानसभा के पूर्व विधायक धर्मेन्द्र शाक्य, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल की डीआरएम वीणा सिन्हा, मण्डल वाणिज्य प्रबंधक रिकीता, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चन्दोला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष वाजिद हुसैन के नेतृत्व में संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार पर दिया गया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। कैम्प कार्यालय, निकट आर.टी.ओ. ऑफिस, नकटीया में जिलाध्यक्ष वाजिद हुसैन के नेतृत्व में संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वाजिद हुसैन ने कहा कि संगठन की सफलता प्रत्येक पदाधिकारी एवं सदस्य की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने तथा कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही कार्यकर्ताओं के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सकता है।इस अवसर पर जिला प्रवक्ता जितेंद्र मिश्रा ने अपने संबोधन में संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने संगठनात्मक एकता, अनुशासन तथा आपसी सहयोग को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताया।

बैठक को संबोधित करते हुए महेंद्र पाल बौद्ध ने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक सदस्य नए लोगों को संगठन से जोड़ने का संकल्प ले, तो संगठन और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनकर कार्यकर्ताओं की आवाज को बुलंद कर सकेगा।

बैठक का समापन वरिष्ठ नेता अतहर अली ने संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ। खालिद खान, राशिद खान, बंटी खान, शहजिल खान, रफीक मंसूरी, वसीम खान, गुड्डू, अशफाक, रिज़वान, सारीफ, इसरार आदि लोग शामिल रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शिवपुरी द्वारा रविवार को शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया महाविद्यालय के विधि विभाग सभाकक्ष में परिषद के उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री सम्मानित मोहन नागर के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं सामाजिक विकास में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड, संभागीय समन्वयक सुशील बरूआ सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला समन्वयक डॉ. रीना शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए जिले की गतिविधियों एवं प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड ने कहा कि मोहन नागर को पद्मश्री सम्मान मिलना पूरे परिषद परिवार के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने शिवपुरी जिले में परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए स्वैच्छिकता एवं सामूहिक भागीदारी से समाज विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह में अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इसके बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन नरवर विकासखंड समन्वयक महेश परिहार ने किया, जबकि अंत में विकासखंड समन्वयक शिवपुरी शिशुपाल सिंह जादौन ने आभार व्यक्त किया। समारोह में नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के विद्यार्थी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा परिषद के परामर्शदाता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पत्रकार भवन लटेरी में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार एवं पत्रकार हितों पर हुआ व्यापक मंथन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ लटेरी। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ की लटेरी इकाई की महत्वपूर्ण बैठक पत्रकार भवन, लटेरी में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को जिलेभर में अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, पत्रकारों के हितों की रक्षा, सदस्यता अभियान को गति देने तथा संगठन के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तथा संगठन की नई ब्लॉक ईकाई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की मजबूती और पत्रकारों के हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक के मुख्य अतिथि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के जिला अध्यक्ष श्री हाकम सिंह रघुवंशी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई लड़ने वाला एक सशक्त मंच है। उन्होंने बताया कि वे लगातार जिले की सभी तहसीलों में संगठन के विस्तार के लिए प्रयासरत हैं। प्रत्येक तहसील और ब्लॉक स्तर पर संगठन की मजबूत इकाइयों का गठन किया जा रहा है, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके और आवश्यकता पड़ने पर संगठन पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा रहे।

श्री रघुवंशी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और समाज की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ सदैव पत्रकारों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी हर परिस्थिति में संगठन अपने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने सभी पत्रकारों से संगठन की सदस्यता लेकर इसे और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली एवं पत्रकार हित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर कई पत्रकारों ने भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ की सदस्यता ग्रहण की। नवसदस्यों का स्वागत करते हुए पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पत्रकारों की आवाज को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्री योगेश पंथी, श्री मनोहर सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष श्री शफीक खान, जिला सचिव श्री अलीम खान, ब्लॉक अध्यक्ष श्री जगदीश बाबू योगी सहित शुभम सोनी, दशरथ सिंह राजपूत, रामेश्वर मीना, मनीष शर्मा, लखन अहिरवार, सुरेंद्र सिंह बघेल, संजीव धाकड़ एवं खिलन प्रजापति सहित भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को गांव, ब्लॉक और तहसील स्तर तक मजबूत बनाने, अधिक से अधिक पत्रकारों को महासंघ से जोड़ने तथा पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर विश्व जागृति मिशन में उमड़ी श्रद्धा, भक्ति और सेवा की भावना

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। विश्व जागृति मिशन, बरेली मंडल द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन श्री भारत माता मंदिर, राजेंद्र नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

मिशन के प्रधान देवेंद्र खंडेलवाल ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। वहीं महामंत्री पवन अरोड़ा ने दिल्ली आश्रम से पूज्य गुरुदेव सुधांशु महाराज का गुरु पूर्णिमा संदेश सुनाया, जिसमें प्रेम, सेवा, सदाचार और आध्यात्मिक साधना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन को सफल बनाने में मिशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

संक्षिप्त समाचार

खेड़ा चौकी के प्रभारी शिवनारायण वर्मा ने वारंटी को पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोतवाली की खेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी शिवनारायण वर्मा और हमराही सिपाही ने वारंटी पकड़ो अभियान लगातार चलाया जिसमें मुहल्ला राम तलैया निबासी सुनील पुत्र तुलसीराम मेहतर को मुकद्दमा संख्या 840/06 अपराध संख्या 244/98 धारा 379/411 आई पी सी में जारी एन बी डब्ल्यू वारंट इसको गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

10वीं पास छात्रों के लिए सुनहरा अवसर, शिवपुरी पॉलीटेक्निक में 12 अगस्त तक सीधे प्रवेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। 10वीं कक्षा उत्तीर्ण कर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, छत्री रोड, शिवपुरी में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। महाविद्यालय में रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से 10वीं के अंकों के आधार पर डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष में सीधे प्रवेश दिए जा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखाओं में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को पहले एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। इसके बाद प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार सुबह 10ः30 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होकर काउंसलिंग एवं प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। प्राचार्य के अनुसार संस्था स्तरीय काउंसलिंग की यह प्रक्रिया 12 अगस्त 2026 तक चलेगी। इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय रहते पंजीयन कर प्रवेश का लाभ लेने की अपील की गई है।

नरवर किला से ऐतिहासिक तोप चोरी करने वाले दो आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त पिकअप जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। नरवर किले से ऐतिहासिक तोप चोरी मामले में शिवपुरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शिवपुरी और राजस्थान के करौली जिले की पुलिस की

संयुक्त कार्रवाई में घटना में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि चोरी गई तोप अभी बरामद नहीं हुई है और उसकी तलाश के लिए पुलिस की टीम राजस्थान में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, पुरातत्व विभाग के चौकीदार रमेश कोली ने 16 जुलाई को थाना नरवर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कचहरी महल में रखी 14 तोपों में से एक तोप अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए हैं। इस पर थाना नरवर में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन कुमार मीणा निवासी पालनपुर, थाना सदर हिण्डौन, जिला करौली (राजस्थान) तथा टिम्मू राम मीणा निवासी गांवडा मीना, थाना सदर, जिला करौली (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस ने करीब ?6 लाख कीमत का वारदात में प्रयुक्त महिंद्रा पिकअप वाहन जब्त किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा चोरी गई ऐतिहासिक तोप की बरामदगी के लिए विशेष टीम राजस्थान में कार्रवाई कर रही है। जल्द ही तोप बरामद कर शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है।

गुरु पूर्णिमा पर झिड़ी धाम में उमड़ेगी आस्था की गंगा, दुख निवारण ,सरोवर स्नान व विशाल भंडारे का मिलेगा पुण्य लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। श्री वैष्णोदेवी बुआ दाती संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में ब्रह्मलीन शारदे सदगुरुदेव श्री रामनाथ अरोड़ा जी की पावन स्मृति में 29 जुलाई को झिड़ी धाम में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 9ः30 बजे ज्योति प्रज्ज्वलन एवं संकीर्तन से होगा। संकीर्तन के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन हरि इच्छा तक चलेगा।मंडल के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा झिड़ी धाम के दिव्य दर्शन करने का आग्रह किया है। धाम में स्थापित दुख निवारण सरोवर विशेष आकर्षण का केंद्र है, जिसमें देश की सात पवित्र नदियों का जल लाकर प्रवाहित किया गया है। मान्यता है कि सदगुरुदेव की कृपा से इस सरोवर में स्नान करने वाले भक्तों के दुख दूर होते हैं। धाम परिसर में भगवान हनुमान जी की भव्य प्रतिमा तथा भगवान भोलेनाथ का सुंदर मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से आने वाले प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बांके बिहारी मंदिर से प्रात: 9ः00 बजे झिड़ी धाम के लिए विशेष बस भी रवाना होगी। यह जानकारी मंडल के प्रेम भाटिया, संजीव सोई तथा भजन गायक जगदीश भाटिया ने दी।

थाना मुजरिया पुलिस नें ट्रांसफार्मर तेल और बिजली के तार चुराने वाले गिरोह का किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना मुजरिया क्षेत्र के अंतर्गत रात्रि में मुखबिर खास द्वारा सूचना दी गयी कि चोरी की घटना करने वाले एक गिरोह के 05 व्यक्ति ग्राम तिगोड़ा के पास उझानी की तरफ जाने वाले हाइवे के किनारे पर अपनी गाडी से उतरकर खड़े पेड़ो की आढ़ में खेत में बिजली लाइन का तार काट-काटकर इकट्टा कर रहे है। इस सूचना पर एसएसपी के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना मुजरिया पुलिस द्वारा 05 नफर अभियुक्तगण

1. धीरेन्द्र पुत्र हरीशचन्द्र निवासी ग्राम चितौरा धनौरा थाना अलापुर बदायूँ 2. अवदेश पुत्र पप्पू निवासी ग्राम खासपुर की गोठिया थाना कुंवरगाँव बदायूँ 3. मौ0शहजाद पुत्र हसीन मौहम्मद निवासी भदसिया थाना कादरचौक बदायूँ 4.राजा पुत्र मुख्तियार हुसैन निवासी ग्राम भमैया थाना कादरचौक बदायूँ 5. धीर सिंह पुत्र सूबेदार निवासी ग्राम खासपुर की गौठिया थाना कुंवरगाँव बदायूँ को मय चोरी की गयी अभियुक्त धीरेन्द्र उपरोक्त के कब्जे से एक अदद तमन्चा 315 बोर मय 02 अदद जिन्दा कारतूस, अभियुक्तगण अवदेश व मौ0 शहजाद उपरोक्त के कब्जे से एक-एक नाजायज चाकू तथा 2010 रूपये तथा एक हुंडई औरा कार नम्बर DLzCY1876, करीब 16 लीटर बिजली ट्रांसफार्मर का तेल, करीब 10.5 मीटर काला केबिल 95 एमएम व 50 मीटर काला केबिल 85 एमएम व एक बडा तार कटर लोहा व लगभग 135 किलोग्राम सिल्वर बिजली का तार बरामद किया गया । बरामदगी के आधार पर थाना मुजरिया पर अभियुक्तगण के विरुद्ध मु0अ0सं0-88/2026 धारा 303(2)/317(2)/3(5) बीएनएस व 136 विधुत अधि0 2003 व 3/25(1-B)(A) व 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है, अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

अभियुक्त धीरेन्द्र उपरोक्त पर जनपद बदायूँ में 05 चोरी के मुकदमे पहले से ही पंजीकृत है अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ करने पर बताया गया कि हम चारो ने मिलकर अपना गैंग बना रखा है तथा जब भी हम कोई चोरी की घटना करते है तो अपने साथ हुंडई औरा गाडी लेकर चलते है जिसमे चोरी के समान को भरकर ले जाते है, हम घटना को अजांम देने से एक- दो दिन स्थान को देख लेते है जहाँ हमको चोरी करनी होती है। तथा चोरी किये गये सामान को बेच देते है। आज भी हम यहाँ चोरी की घटना कारित कर रहे थे लेकिन पुलिस ने हमे पकड लिया

26 जुलाई 2026 को कारगिल विजय दिवस मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में कारगिल विजय दिवस समारोह जिलाधिकारी कार्यालय, बदायूँ में शहीद स्मारक वाटिका में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री अरूण कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) बदायूँ थे। ले0 कर्नल संदीप सिंह, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, बदायूँ ने समारोह का संचालन किया। और वीरगंना श्रीमती गुड्डो देवी को कारगिल युद्ध में पेराशूट रेजिमेन्ट के शहीद सैनिक हवलदार हरिओम सिंह को पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु निवेदन किया इसके बाद श्री अरूण कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) बदायूँ ने उनके साहस एवं बलिदान को याद करते हुये उन्हें माल्यार्पण कर सम्मानित किया। और उक्त शहीद सैनिक की पत्नी श्रीमती गुड्डो देवी को शॉल भेट कर, उन्हें सम्मानित किया। और बताया कि कारगिल युद्ध विश्व की सबसे लम्बी लड़ाई थी जिसमें हमारी तीनों सेनाओं ने दुशमनों को खदेड़कर देश की सबसे बड़ी जीत हासिल की। ऐसे वीर जवानो/शहीद सैनिको एवं वीर नारियों को हार्दिक नमन करता हूँ।

इस समारोह में श्री प्रवीन कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, बदायूँ ने उपस्थित पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से सम्बन्धित समस्याओं का निवारण करने हेतु आश्वासन दिया। ऑ सब ले0 सतीश चन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष ने कारगिल युद्ध में सैनिक/शहीद सैनिक के त्याग और वलिदानो को याद किया। सूबे0 मुनेश सिंह ने नमन सर्विस के सम्बन्ध में पूर्व सैनिको/आश्रितों को बताया कि कोई भी पेंशन सम्बन्धी समस्या हो तो ऑन लाइन आवेदन करवा सकते है जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, व जन्मतिथि तथा अन्य संशोधित आदि। अन्य मान्यगण पूर्व सैनिको ने भी कारगिल विजय दिवस पर सैनिको की बहादुरी पर चर्चा की। इस अवसर पर लगभग 100 पूर्व सैनिक/आश्रित उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाना कैसरगंज क्षेत्रान्तर्गत नवनिर्मित पुलिस चौकी हरनी बाजार का किया गया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा थाना कैसरगंज क्षेत्रान्तर्गत नवनिर्मित पुलिस चौकी हरनी बाजार का संभ्रांत नागरिकों की उपस्थिति में

विधि-विधान से पूजा-अर्चना उपरांत फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि नई पुलिस चौकी स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा, त्वरित पुलिस सहायता एवं प्रभावी कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस चौकी के संचालन से क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति बढ़ेगी, आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन को शीघ्र सहायता उपलब्ध होगी तथा अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों पर प्रभावी निगरानी रखने में भी सहायता मिलेगी। लोकार्पण कार्यक्रम के उपरांत पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा क्षेत्र के चौकीदारों को उनके सराहनीय कार्य एवं पुलिस व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही चौकी क्षेत्र से आए ग्रामीणों एवं संभ्रांत नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा पुलिस एवं जनता के मध्य बेहतर समन्वय बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज श्री धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक कैसरगंज श्री राज कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण, चौकीदार, ग्रामीणजन एवं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

जनपद के विभिन्न स्थानों पर बहू-बेटी सम्मेलन व जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं/बालिकाओं को किया गया सशक्त

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में

भ्रमण कर बहू-बेटी चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, उनके अधिकारों, तथा सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, मिशन शक्ति टीमों ने उन्हें विभिन्न सहायता सेवाओं, सरकारी योजनाओं और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी उपलब्ध कराई। महिलाओं पर होने वाले अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1090 - वीमेन पावर लाइन, 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 - सीएम हेल्पलाइन, 112 - इमरजेंसी सेवा, 181 - महिला हेल्पलाइन, 108 - एम्बुलेंस सेवा, 1930 - साइबर अपराध शिकायत हेल्पलाइन आदि के बारे में जानकारी दी गयी । महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे वे लाभान्वित हो सकें। साथ ही मानव तस्करी / बाल तस्करी पर विशेष रूप से जानकारी दी गई कि इन अवैध गतिविधियों से कैसे सतर्क व सुरक्षित रहा जा सकता है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को आत्म-रक्षा के सरल व प्रभावी तरीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं की रक्षा कर सकें।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का जनपद में हुआ शुभारम्भ, 4 हजार से अधिक शिक्षकों को मिलेगा स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए पंजाब नेशनल बैंक के साथ हुए अनुबंध कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश के 1.28 लाख से अधिक उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं उनके परिवार कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभान्वित होंगे।

जनपद जालौन में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान, एमएलसी प्रतिनिधि डॉ. मयंक त्रिपाठी, प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने 26 शिक्षकों को कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। जनपद के लगभग 4 हजार शिक्षक इस योजना का लाभ प्राप्त करेंगे।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने योजना को शिक्षकों के हित में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इससे विशेष रूप से स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने लाभार्थी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार शिक्षकों के सम्मान और उनके स्वास्थ्य संरक्षण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह योजना सरकार के संकल्प और संवेदनशीलता का प्रमाण है।

कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सम्मान और उनके स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ शिक्षक ही उत्कृष्ट एवं संस्कारित विद्यार्थियों का निर्माण कर सकते हैं और वही एक सशक्त समाज की नींव रखते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के स्वास्थ्य की चिंता को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण सौगात प्रदान की है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ एवं निरोगी जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। नोडल अधिकारी एवं दयानंद वैदिक कॉलेज उरई के प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सर्वेश कुमार शांडिल्य ने किया।इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी प्रशांत पाण्डेय सहित दयानंद वैदिक कॉलेज उरई, कालपी कॉलेज कालपी, गांधी कॉलेज उरई तथा पंडित गंगाधर पांडे महाविद्यालय जालौन के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अरबईन-ए-हुसैनी की पहली मजलिस में गूंजा इंसानियत और हक़ का पैग़ाम

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकनदर रजा / मुरादाबाद इमाम बारगाह मोहम्मदिया हॉल में शुरू हुआ अशरा-ए-मजालिस का सिलसिला, चेहलुम तक रोज़ाना होंगी मजालिस

इमाम बारगाह मोहम्मदिया हॉल, आज़ादनगर में सेक्रेटरी हाजी डॉ. कायम रज़ा की जानिब से अशरा-ए-मजालिस-ए-अरबईन-ए-हुसैनी 2026 की पहली मजलिस अकीदत, एहतराम और धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित की गई। मजलिस में बड़ी संख्या में मोमिनीन और अज़ादारों ने शिरकत कर इमाम हुसैन (अ.स.) और शोहदाए-कर्बला को पुरसा पेश किया। आयोजकों ने बताया कि यह सिलसिला अब प्रतिदिन नियमित रूप से जारी रहेगा और चेहलुम-ए-इमाम हुसैन (अ.स.) तक रोज़ाना मजालिस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित उलमा-ए-किराम और नौहाख़्वान शिरकत करेंगे।

मजलिस का आगाज़ अब्बास हैदर ज़ैदी व हमनवा ने अत्यंत पुरसोज़ अंदाज़ में मार्सिया पेश करके किया। मार्सिये के अशआर ने मौजूद अज़ादारों की आंखें नम कर दीं और पूरा माहौल ग़म-ए-हुसैन से सराबोर हो गया।

इसके बाद प्रसिद्ध आलिम-ए-दीन मौलाना सैयद नाज़ हैदर नक़वी साहब क़िबिला ने अपने ख़िताब में वाक़िआ-ए-कर्बला के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) की कुर्बानी किसी एक दौर या एक कौम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी इंसानियत के लिए हक़, इंसाफ़, सब्र, इज़्ज़त और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ डटकर खड़े होने का सबसे बड़ा पैग़ाम है। उन्होंने कहा कि कर्बला का वाक़िआ आज भी समाज को यह सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और न्याय का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे अहलेबैत (अ.स.) की सीरत को अपने जीवन में अपनाएं और समाज में अमन, भाईचारे, इंसानियत और नैतिक मूल्यों को मजबूत करें।

मौलाना ने कहा कि अरबईन का दौर केवल ग़म मनाने का नहीं, बल्कि इमाम हुसैन (अ.स.) के मिशन को समझने और उसे अपनी ज़िंदगी में उतारने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि अगर समाज इमाम हुसैन (अ.स.) की शिक्षाओं पर अमल करे तो अन्याय, नफरत और अत्याचार जैसी बुराइयों का स्वतः अंत हो सकता है।मजलिस के समापन पर मशहूर नौहाख़्वान हसन आबदी ने पुरदर्द नौहे पेश किए। नौहाख़्वानी के दौरान अज़ादारों ने सीनाज़नी और मातम कर शोहदाए-कर्बला को ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया। या हुसैन की सदाओं से पूरा इमाम बारगाह गूंज उठा और माहौल पूरी तरह ग़म-ए-कर्बला में डूब गया।

इस अवसर पर हसन ज़ैदी एडवोकेट, नाज़िश, इमदाद ज़ैदी, मुताहिर, असबात हुसैन, इस्लाम हैदर, सलीम रज़ा, दानिश, कलाम, परवेज़, मोहम्मद अब्बास, वसी अब्बास, मोहम्मद अली, ज़ैन, शबाब, अकबर सहित बड़ी संख्या में मोमिनीन, अज़ादार और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मजलिस में शिरकत कर इमाम हुसैन (अ.स.) और शोहदाए-कर्बला को ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों की ओर से तमाम मोमिनीन से अपील की गई कि वे अशरा-ए-मजालिस-ए-अरबईन-ए-हुसैनी के इस मुबारक सिलसिले में अधिक से अधिक संख्या में शिरकत करें और इमाम हुसैन (अ.स.) के पैग़ाम-ए-इंसानियत, सब्र, कुर्बानी, इंसाफ़ और हक़ को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी मजालिस समाज में नैतिक मूल्यों, आपसी भाईचारे और धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

चंदुर्रा गांव में गोशाला शिफ्ट करने के विरोध में ग्रामीणों ने किया हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/कोंच(जालौन)। विकास खंड कोंच के ग्राम चंदुर्रा की गोशाला को दूसरे गांव में शिफ्ट किए जाने की सूचना पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने गोशाला के बाहर एकत्रित होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और गोवंशों की बदहाल स्थिति व अव्यवस्थाओं को लेकर जिम्मे दार अधिकारियों के खिलाफ नाराज गी जताई।ग्रामीणों का आरोप है कि गोशाला की जाली टूटी हुई है जिससे गौवंशों की सुरक्षा खतरे में है और उनके रखरखाव की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि गोशाला को अन्यत्र स्थानां तरित करने के बजाए पहले यहां की व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं और गोवंशों के लिए पर्याप्त चारा, पानी व सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। करीब एक घंटे तक चले हंगामेदार प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण बना रहा। विरोध के चलते मौके पर पहुंचे एडीओ पंचायत देवीशरण और ग्राम सचिव पूनम को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा और उन्हें बिना किसी निर्णय के बैरंग लौटना पड़ा। ग्रामीणों ने चेताव नी दी कि यदि गौवंशों की देख भाल और गौशाला की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं एडीओ पंचायत देवी शरण ने बताया कि गांव में अभी प्रधान का पद खाली हैं इस वजह से गोशाला की देखरेख करने वाला कोई नही हैं। इसी कारण इस गोशाला को स्थान्तरित किया जा रहा था। इस दौरान ग्रामीण आदित्य निरंजन, शिवम द्विवेदी और गोशाला केयर टेकर योगेंद्र कुमार ने भी अपनी बात रखी इस मामले में गांव वालो को काफी गुस्सा है ।

Is your BMI also raising alarm bells? When should you be alert?

Body Mass Index is a measure that indicates whether a person's weight is normal for their height. If a person weighs 70 kg and is 1.70 meters tall, their BMI would be approximately 24.2.

The problem of overweight and obesity is rapidly increasing among people of all ages. Doctors consider excess weight as a breeding ground for diseases. People often think that obesity only distorts the body's shape, but the truth is much more serious. It significantly increases the risk of hormonal problems, immune system issues, and diseases like diabetes, heart disease, and cancer. Do you also use a weighing machine to check your weight? But did you know that doctors don't assess a person's health solely by looking at their weight. For this, they consider the Body Mass Index (BMI). BMI is determined based on a person's weight and height. When BMI exceeds the normal range, it is considered a health risk. Is your BMI also increasing? First, learn about BMI. Body Mass Index is a scale that tells whether your weight is normal according to your body height or not. If a person weighs 70 kg and is 1.70 meters tall, then his BMI will be approximately 24.2. To find out BMI, divide your weight (kilograms) by the square of your height (meters). According to the World Health Organization, people with BMI more than 25 should be careful about their health. Less than 18.5 - underweight. 18.5- 24.9 - normal weight. 25-29.9 - overweight. 30 or more - obesity. What problems does high BMI cause? Doctors say that high BMI often means accumulation of excess fat in the body. This increases extra pressure on the blood vessels and heart. Fat stored around the abdomen releases inflammatory chemicals into the body, increasing the risk of plaque buildup in the arteries, high cholesterol, and high blood pressure. Over time, this condition can lead to serious problems like coronary artery disease, heart attack, and stroke. Similarly, when excess fat accumulates in the body, cells become less sensitive to insulin. This can lead to increased blood sugar levels and the risk of type 2 diabetes. What other problems does a high BMI cause? People with a high BMI are also at increased risk of non-alcoholic fatty liver disease. If left unchecked, it can lead to liver inflammation, fibrosis, and cirrhosis. Several scientific studies have found that obesity is associated with an increased risk of at least 13 types of cancer. Excess body fat causes persistent inflammation and can increase insulin and certain hormone levels, increasing the risk of abnormal cell growth. How can BMI be controlled? Doctors say that a balanced diet, regular exercise, and an active lifestyle are crucial for maintaining a normal BMI. Exercise at least 150 minutes a week. Include whole grains, pulses, fruits, vegetables, and protein-rich foods in your diet. Get adequate sleep and manage stress, as both affect weight. If your BMI continues to rise or is above 25-30, consult a doctor.

Are you bothered by dry eyes and mouth? Is this a sign of an autoimmune disease?

Do you often experience dryness in your eyes, feeling as if something is constantly stinging? This could be a sign of dry eye disease. Some studies have consistently warned that increased

screen time has significantly increased the risk of dry eyes. The increased use of mobile phones and laptops has certainly increased the risk of dry eyes, but this is not necessarily the cause of dry eyes. Sometimes, this condition can also be a sign of a serious illness. Medical reports indicate that if dry eyes are accompanied by frequent dryness in the mouth, no relief even after drinking water, difficulty swallowing food, or prolonged fatigue and joint pain, this could be a sign of Sjögren's syndrome, an autoimmune disease. World Sjögren's Day is celebrated every year on July 23rd to raise awareness about this disease. Are you also a victim? The growing risk of Sjogren's syndrome - Medical reports indicate that millions of people worldwide are affected by this condition, and the most worrying thing is that the initial symptoms are so mild that patients remain unaware of the underlying cause for years. This condition is more common in those aged 40-60. Women are at a much higher risk than men. Sjogren's is an autoimmune disease. In this condition, the body's immune system mistakenly attacks its own healthy glands. The lacrimal glands (tear-producing glands) and salivary glands are most affected. This causes dryness in the eyes and mouth. Gradually, it can affect not only the eyes and mouth but also the joints, lungs, kidneys, nerves, and other organs. Doctors say the good news is that early detection and proper treatment can significantly control symptoms and reduce the risk of serious complications. Why does this problem occur? According to a report by the American College of Rheumatology and the Sjogren's Foundation, this condition is approximately 10 times more common in women than in men. Most cases occur between the ages of 40 and 60. It's unclear why Sjogren's syndrome occurs, although experts believe that genetics and environmental factors may contribute to the risk. People with a family history of autoimmune diseases may be at higher risk. How do you know if you're affected? Because Sjogren's syndrome attacks the glands that produce tears and saliva, it can cause dry eyes, burning, or stinging. You may feel as if there's sand in your eyes. Some people may also experience blurred vision, persistent dry mouth, and difficulty swallowing. Need to drink water frequently Early cavities in teeth Chronic fatigue Joint pain and swelling Dryness in skin, nose and throat How can Sjogren's syndrome be prevented? Sjogren's syndrome is an autoimmune disease, so it cannot be completely prevented. However, some things can help in reducing its symptoms and complications. Follow the 20-20-20 rule while using screens. Keep drinking plenty of water. Do not use any eye drops without doctor's advice. Avoid smoking. Sjogren's syndrome is a chronic autoimmune disease. In this, the body's immune system mistakenly starts attacking its own healthy glands. Due to this, there is not enough moisture in the eyes and mouth. Are you also a victim of this?

Don't eat these foods at night, as they could harm your health and sleep.

If you don't want to compromise your health, consider making some adjustments to your diet. Here, we'll tell you what you shouldn't eat at night. Dinner provides rest and nourishment to

the body after a busy day. However, consuming the wrong foods at this time can impact not only the digestive system but also sleep, weight, and overall health. Experts believe that dinner should be light, balanced, and easily digestible, so the body doesn't have to work too hard to digest food and can get a good night's sleep. If you want to stay healthy and feel refreshed in the morning, it's important to know which foods to avoid at night and what might be better alternatives. What foods should you avoid at night? 1. Fried foods - Samosas, pakoras, French fries, and other fried foods are high in fat, which takes longer to digest. This can cause gas, indigestion, and acidity. Better alternatives: Light vegetables, lentils, and multigrain bread. 2. Spicy foods: Excessively spicy foods can increase heartburn and acid reflux. This can also affect sleep. Better alternative: Home-cooked meals with less spice. 3. Sweets and sugary foods: Eating too much sweets at night can cause a rapid increase in blood sugar, and the extra calories can contribute to weight gain. Better alternative: If you crave sweets, eat fruits in moderation. 4. Caffeinated beverages: Drinking tea, coffee, or energy drinks at night can cause trouble sleeping. Caffeine can remain active in the body for several hours. Better alternatives: Lukewarm milk or herbal tea (if appropriate for you). 5. Soft drinks and cold drinks: These contain high amounts of sugar and can increase gas. They can affect both digestion and sleep. Better alternatives: Plain water or lemonade (without added sugar). 6. Processed and packaged foods - Chips, instant noodles, processed snacks, and ready-to-eat foods can be high in salt, preservatives, and unhealthy fats. Better choice - Fresh, home-cooked meals. Good dinner habits - Eat dinner on time. Eat dinner 2–3 hours before bedtime. Chew your food thoroughly. Avoid lying down immediately after eating. Drink plenty of water, but don't drink too much just before bed.

Advance bookings for "Jana Nayakan" explode, with crores of rupees and 700,000 tickets sold before release; fans excited

Vijay's film "Jana Nayakan" is already making impressive earnings. Find out what's happening. After much struggle, Vijay's film "Jana Nayakan" is finally set to release in theaters. The film has already created a sensation at the box office even before its release. The film is earning a staggering amount in advance bookings. According to reports, the film has already received advance bookings worth over ?20 crore a day before its release in India, including blocked seats. Even after excluding blocked seats, the film has already sold tickets worth approximately ?14 crore. The Tamil version accounts for the majority of this. Tamil Nadu remains the film's largest market, with advance bookings of approximately ?7.90 crore. Karnataka follows, earning ?6.03 crore, especially Bengaluru, which has seen a strong response. Kerala also saw a strong ?1.91 crore. Bengaluru saw the highest number of bookings - Bengaluru leads the city charts, with advance bookings of ?5.99 crore. Chennai (?1.86 crore), Coimbatore (?9 million), and cities like Hyderabad, Madurai, Kochi, and Thiruvananthapuram have also reported good figures. Language-wise, the Tamil version dominates, grossing over ?14 crore. The Telugu version's collection is slightly lower, while the Hindi version has received limited response so far. The film's bookings have been largely driven by 2D screenings, while premium formats have contributed significantly less. Fan excitement: Although "Jana Nayakan" is currently lagging behind Vijay's previous films, "Leo" and "GOAT," trade experts expect bookings to pick up as the release nears. Fans are particularly excited about this film because it's believed to be Vijay's last film. After a 33-year career, he is bidding farewell to films and is now playing the role of the Chief Minister of Tamil Nadu. Star cast and release date: Directed by H. Vinoth, the film stars Vijay alongside Pooja Hegde, Bobby Deol, Mamita Baiju, Prakash Raj, Gautham Vasudev Menon, Priyamani, Narain, and Nassar. Originally scheduled for release on January 9th, the film will now hit theaters on July 23rd after being delayed due to various reasons.

Amid the NEET paper leak controversy, the teaser for the web series "The Scam - Leaked" has been released; it will send chills down your spine.

A web series based on the paper leak has been announced. Its teaser was released today, Wednesday, and will send chills down your spine. Students are currently protesting against the NEET paper leak. The protests, which began in the national capital, Delhi, are now spreading to other cities, including Mumbai. Recently, the Cockroach Janata Party (CJP) marched from Jantar Mantar to Parliament, where a large number of people came to support the students. The protests also turned violent. The protests are still ongoing. Meanwhile, a series on the same topic has been announced. A series based on the paper leak will premiere on ZEE5. While the medical paper leak issue is raging across the country, and students have taken to the streets to protest, the teaser for the web series "The Scam - Leaked" was released today, Wednesday. The series will premiere on the OTT platform ZEE5. The series' theme is related to the medical paper leak. The trailer is captioned, "One paper. Millions of dreams. One leak. The nation is shocked." How was the paper leaked? - Zee5 has released a teaser. It shows papers being leaked from a warehouse just before the exam. Exam papers are being printed in a factory. Meanwhile, the paper is leaked. A glimpse of how this was accomplished is shown. This is immediately followed by a news report that the NEET paper has been leaked. A heartbreaking scene: After the paper leak, expressions of despair and anger are visible on the faces of students. The question arises: how did the paper get leaked? Meanwhile, a heartbreaking scene is shown. The teaser concludes with a classroom scene. A call comes in on a mobile phone. "Papa" flashes on the screen. A father calls his child, but the call goes unanswered. The next scene shows a student hanging from a noose.

Why did Sunidhi Chauhan leave reality shows? The singer has made accusations and revealed the key reason.

Sunidhi Chauhan has judged reality shows along with singing. However, she has now given up judging reality shows. Now, she has explained the reason. Sunidhi Chauhan is one of Bollywood's most popular singers. In addition to singing, she has also judged several singing reality shows. Her fans want to know why she has stopped judging shows. The singer has spoken about this. Reality shows are not for Sunidhi. Sunidhi Chauhan, speaking on the Shekhar Tonight Show about leaving reality shows,

said, "I was a part of it for a very long time. But then I left it because I felt it was not my place." Sunidhi expressed her objection, saying, "It's very sad. In the past, auto-tune or melodyne were used in songs for a special effect. But you can't do that on a reality show, where you need to be completely authentic and honest." I felt that it was going somewhere else, which I cannot be a part of.' People gave respect to Sunidhi - The conversation also moved towards the challenges that singers sometimes face during live performances. Shekhar mentioned incidents related to artists like KK and Sonu Nigam and asked Sunidhi if she had ever faced any insulting or uncomfortable behavior on stage. To this, Sunidhi said, 'I am very lucky because till date I have not been treated like that. People have given me a lot of love... not just love, but respect as well.'